गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

# स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक: 43 | गोरखपुर रविवार 13 अप्रैल 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

## सिखों ने अपने शौर्य-पराक्रम से हमेशा की है देश और धर्म की रक्षा: योगी

### खालसा पंथ के स्थापना दिवस 'बैसाखी' पर मुख्यमंत्री ने दी प्रदेशवासियों को बधाई

- **स्वयं के लिए नहीं, देश और धर्म के लिए था गुरुओं, साहिबजादों और सिख योद्धाओं का बलिदान : मुख्यमंत्री**
- **सिख बिना झुके, बिना डिगे अपने पथ पर आगे बढ़ता है, इसीलिए सरदार कहलाता है : मुख्यमंत्री**
- **गुरू गोविंद सिंह जी के बंदों ने अपने जज्बे, संघर्ष, शौर्य और पराक्रम से मनवाया है अपना लोहा : योगी आदित्यनाथ**
- **सीएम योगी ने तराई और पंजाब में हो रहे धर्मांतरण की घटनाओं पर जताई चिंता**
- **गुरू गोविंद सिंह जी के उपदेश केवल सिखों के लिए नहीं बल्कि हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत हैं : सीएम योगी**

**संवाददाता**

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खालसा पंथ के स्थापना दिवस और बैसाखी पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। याहियागंज स्थित गुरुद्वारे में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गुरू गोविंद सिंह जी ने 1699 में खालसा पंथ की स्थापना कर देश और धर्म की रक्षा का संदेश दिया था। सीएम योगी ने कहा कि गुरू गोविंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना करने का उद्देश्य था कि "सकल जगत में खालसा पंथ जागे, जगे धर्म हिन्दू, सकल भंड भाजे।" गुरू गोविंद सिंह जी ने औरंगजेब के क्रूर शासन के खिलाफ पंज प्यारों के साथ खालसा पंथ की नींव रखी। मुख्यमंत्री ने गुरू गोविंद सिंह जी महाराज द्वारा स्थापित खालसा पंथ के 325 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि सिख समुदाय ने हर विपरीत परिस्थिति में अपने शौर्य और पराक्रम से देश-धर्म की रक्षा की। उन्होंने गुरू नानक देव जी से शुरू हुई सिख परंपरा को विश्व में अनुपम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब एक तरफ क्रूर औरंगजेब का शासन था, अत्याचार की पराकाष्ठा थी, जजियाकर के जरिए हिन्दुओं को पूरी तरह से इस्लाम में बदलने की क्रूर चाल थी, मंदिरों को तोड़ा जा रहा था और बहन बेटियों की इज्जत पर सरेआम हाथ डाला जा रहा था, उस समय अपने एक लाख शिष्यों के साथ देश और धर्म पर मंडरा रही इस ज्वलंत समस्या के खिलाफ प्रभावी शंखनाथ करने का कार्य दशमेश गुरू गोविंद सिंह जी महाराज ने किया। उन्होंने इसका नाम खालसा रखा। खालसा का मतलब, 'परमात्मा के विशेष जन, जो पूर्ण निर्मल मन से कार्य कर सकें।' उनके उपदेश आज भी हमारे लिए प्रेरणा हैं। केवल सिखों के लिए नहीं बल्कि हर भारतीय के लिए प्रेरणा है।

## लोकतंत्र की जननी नहीं, तानाशाही के जनक हैं आप

### नेशनल हेराल्ड को ईडी के नोटिस पर भड़के कपिल सिब्बल

*सिब्बल ने कहा कि 'आपने 13 साल तक इंतजार क्यों किया? क्योंकि आप संपत्ति हड़पना चाहते हैं। आप कांग्रेस पार्टी को पंगु बनाना चाहते हैं, सभी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं ताकि वे काम न कर सकें। जहां तक मुझे पता है, कांग्रेस के पास इतना पैसा नहीं है, इसलिए वह एक राजनीतिक पार्टी के रूप में काम नहीं कर पाएगी।'*

**एजेंसी**

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने नेशनल हेराल्ड को ईडी का नोटिस मिलने पर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों की मदद से कांग्रेस को पंगु बनाने का आरोप लगाया, साथ ही नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को कब्जे में लेने के ईडी के नोटिस को लोकतंत्र पर हमला बताया। सिब्बल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम दिखावटी तौर पर लोकतंत्र की जननी हैं, लेकिन असल में आप तानाशाही के जनक हैं। वे (भाजपा) हिंदू-मुस्लिम एजेंडे पर अपनी राजनीति करना चाहते हैं और विपक्ष को खत्म करना चाहते हैं।' गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस द्वारा नियंत्रित नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 661 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया है। नेशनल हेराल्ड के दिल्ली में आईटीओ स्थित हेराल्ड हाउस, मुंबई के बांद्रा स्थित संपत्तियों और लखनऊ में बिशेश्वर नाथ रोड स्थित एजेएल बिल्डिंग पर ईडी ने नोटिस चिपका दिए हैं। नोटिस में इन संपत्तियों को खाली करने की बात कही गई है। इस पर नाराजगी जताते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि 'कब्जे के नोटिस का उद्देश्य अखबार की संपत्तियों को अपने कब्जे में लेना है, जिनमें कांग्रेस के कार्यालय चल रहे हैं, ताकि पार्टी को पंगु बनाया जा सके।' सिब्बल ने कहा कि 'आपने 13 साल तक इंतजार क्यों किया? क्योंकि आप संपत्ति हड़पना चाहते हैं। आप कांग्रेस पार्टी को पंगु बनाना चाहते हैं, सभी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं ताकि वे काम न कर सकें। जहां तक मुझे पता है, कांग्रेस के पास इतना पैसा नहीं है, इसलिए वह एक राजनीतिक पार्टी के रूप में काम नहीं कर पाएगी। यह लोकतंत्र पर हमला है। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है जो इस सरकार की मानसिकता को दशार्ती है।' सिब्बल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह इस सरकार की संकीर्णता को दशार्ता है जो विपक्ष को नष्ट करने के लिए एजेंसियों का उपयोग करती है।

## देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार : गडकरी

- **मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो मार्च, 2014 के 91,287 किलोमीटर से बढ़कर वर्तमान में 1,46,204 किलोमीटर हो गया है। इसके**

**एजेंसी**

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी। गडकरी ने पीटीआई-के साथ साक्षात्कार में कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो। गडकरी ने कहा, हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए। उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है। गडकरी ने कहा कि पूर्वी राज्यों में 3,73,484 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 784 राजमार्ग परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी, जिनके तहत 21,355 किलोमीटर सड़क आएंगी।

## 'नियमों का उल्लंघन, बेटियों को संपत्ति से वंचित करने की साजिश', गोदनामे पर 'सुप्रीम' टिप्पणी

- **देश की सर्वोच्च अदालत ने एक गोदनामे के मामले को खारिज करते हुए बड़ी टिप्पणी की है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बेटियों के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अदालत ने साफ संदेश दिया है कि बेटियों को उनका हक मिलना चाहिए और ऐसे फर्जी दस्तावेजों के जरिए उन्हें वंचित नहीं किया जा सकता।**

**एजेंसी**

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के एक संपत्ति विवाद में एक पुराने गोदनामे को खारिज कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह गोदनामा जानबूझकर बनाया गया था ताकि बेटियों को उनके पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी से वंचित किया जा सके। यह मामला भुनेश्वर सिंह नाम के व्यक्ति की संपत्ति से जुड़ा है, जिनकी दो बेटियां झ शिव कुमारी देवी और हरमुनिया हैं। एक व्यक्ति अशोक कुमार ने दावा किया कि उन्हें भुनेश्वर सिंह ने 1967 में गोद लिया था और इस आधार पर वह उनकी संपत्ति में अधिकार रखते हैं। उन्होंने गोदनामा और एक फोटो अदालत में पेश किया था। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने इस गोदनामे को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि, 'हमने पूरी सुनवाई और दस्तावेजों को ध्यान से देखा और यह साफ है कि यह गोदनामा सिर्फ बेटियों को उनके हक से वंचित करने के लिए तैयार किया गया था।' गोद लेने की प्रक्रिया में पत्नी की सहमति अनिवार्य होती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। गोद लेने की तारीख थी 9 अगस्त 1967, लेकिन गोदनामे में पत्नी की न तो सहमति थी, न ही हस्ताक्षर, और न ही वह गोद लेने की रस्म में शामिल थीं। हाईकोर्ट ने भी माना कि गोद लेने की प्रक्रिया में जरूरी कानूनी नियमों का पालन नहीं हुआ। अदालत ने यह भी कहा- एक गवाह ने भी गोद लेने की रस्म की तस्वीरों में मां को पहचानने से इनकार किया।

## सीएम रेखा की जगह पति चला रहे दिल्ली की सरकार: आतिशी

**एजेंसी**

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बड़ा आरोप लगाया है। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने अपने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करते हुए दावा किया है कि दिल्ली की सत्ता की कमान असल में मुख्यमंत्री रेखा नहीं बल्कि उनके पति मनीष चला रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बड़ा आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि दिल्ली की सरकार रेखा गुप्ता नहीं बल्कि उनके पति मनीष गुप्ता चला रहे हैं। आप की सीनियर लीडर आतिशी ने अपने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की है और कहा है कि दिल्ली की सत्ता की कमान असल में मुख्यमंत्री रेखा नहीं, बल्कि उनके पति मनीष चला रहे हैं।

# Gallery of SI News Awards & OTT Launch Ceremony

# Gallery of SI News Awards & OTT Launch Ceremony

## सम्पादकीय...

# सत्ता, शहादत और सवाल

13 अप्रैल 1919, अमृतसर वैसाखी का दिन हजारों लोग जलियांवाला बाग में एकत्र हुए थे कृ कुछ रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध के लिए, तो कुछ महज त्योहार मनाने। तभी ब्रिटिश सेना के ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर ने अपनी टुकड़ी के साथ प्रवेश किया, बाग के एकमात्र द्वार को बंद कराया, और बिना किसी चेतावनी के भीड़ पर गोलियां चलवा दीं। लगभग दस मिनट में 1650 गोलियां चलाई गईं। सैकड़ों की जान गई, हजारों घायल हुए। दीवारें खून से लथपथ हो गईं। और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक निर्णायक मोड़ आया। जलियांवाला बाग हत्याकांड सिर्फ एक ऐतिहासिक त्रासदी नहीं थी, वह साम्राज्यवादी दमन की पराकाष्ठा थी। लेकिन आज, 100 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद, हमें खुद से पूछना होगा कृ क्या जलियांवाला बाग केवल इतिहास की एक दुखद कहानी है, या फिर एक ऐसा आईना है जिसमें आज का लोकतंत्र भी देखा जा सकता है? ब्रिगेडियर जनरल डायर ने इस नरसंहार को आवश्यक कार्रवाई बताया था। ब्रिटिश साम्राज्य ने उसे डांटा नहीं, बल्कि कुछ ने तो उसे असली देशभक्त भी कहा। यह घटना हमें यह समझाती है कि जब सत्ता को जवाबदेही से मुक्त कर दिया जाता है, तब वह कितनी क्रूर हो सकती है। आज, जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी किसानों पर लाठीचार्ज होता है, विश्वविद्यालयों में छात्रों को पीटा जाता है, पत्रकारों को जेल में डाला जाता है, और असहमति को देशद्रोह का नाम दे दिया जाता है, तब यह सवाल उठता है कृ क्या सत्ता की वही डायर मानसिकता आज भी जीवित है? लोकतंत्र की बुनियाद असहमति पर टिकी होती है। यदि लोग सवाल न करें, आलोचना न करें, और सत्ता से जवाबदेही न मांगें, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे एक सत्तावादी ढांचे में तब्दील हो सकता है। जलियांवाला बाग में निहत्थे लोग मारे गए क्योंकि उन्होंने सवाल उठाए थे। आज अगर सवाल उठाने वालों को राष्ट्रद्रोही कहा जाता है, तो क्या हमने वाकई इतिहास से कुछ सीखा है? जब सवाल पूछना गुनाह बन जाए, और सत्ता खुद को राष्ट्र घोषित कर दे, तब लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बजती है। 2021 में जब जलियांवाला बाग स्मारक का नवीनीकरण किया गया, तो उस पर तीखी आलोचना हुई। रंगीन लाइटें, सजावटी गलियारे, डिजिटल शो कृ सब कुछ जैसे शहादत को इवेंट में बदलने का प्रयास था। इतिहास का काम केवल गौरव गान नहीं है, उसका उद्देश्य चेतावनी देना भी है। जब हम अपने अतीत के दर्द को केवल उत्सव में बदल देते हैं, तो हम उस चेतावनी को नजरअंदाज कर देते हैं। जलियांवाला बाग का नवीनीकरण एक उदाहरण है कि कैसे हम इतिहास की आत्मा खो सकते हैं, अगर हम केवल उसकी सतह पर सजावट करने लगें। ब्रिटिश सत्ता ने विरोध को देश के खिलाफ समझा। आज जब हमारे अपने लोकतांत्रिक संस्थान, जनता की आवाज को ष्असहजष मानकर दबाते हैं, तो वह भी लोकतंत्र का हनन है। इंटरनेट शटडाउन, मीडिया पर नियंत्रण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला कृ ये सब आधुनिक भारत के नरसंहार हैं। फर्क इतना है कि अब बंदूक की जगह डंडा है, और डायर की जगह सिस्टम है। पिछले वर्षों में हुए आंदोलन कृ जैसे नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन, किसान आंदोलन, और विश्वविद्यालयों में छात्रों के आंदोलनों ने यह दिखाया है कि आज भी जब लोग सड़कों पर उतरते हैं, तो सत्ता पहले संवाद नहीं करती, बल्कि बल प्रयोग करती है।

## राशिफल

मेषः- काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

बृषभः- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुनः- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्कः- नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंहः- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्याः- जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुलाः- भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिकः- रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

धनुः- अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकरः- बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभः- सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया अपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। आलस्य कतई न करें।

मीनः- कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है।

# जलवायु परिवर्तन, सांस के लिए हवा भी नही मिलेगी

**संजीव ठाकुर**

वर्तमान में पृथ्वी तथा प्राकृतिक संसाधनों के विनाशकारी जलवायु परिवर्तन की गति तथा उसके प्रभाव में गति की तीव्रता तेजी से महसूस की जाती रही है। इसका और कोई कारण ना होकर मानव की अवांछित गतिविधियां ही हैं। जिनमें मूलतः वन का विनिष्टिकरण, जीवाश्म ईंधन का ताबड़तोड़ प्रयोग, नई कृषि नीति तथा पद्धति की तीव्रता से होते हुए उद्योगों की संरचना और कंक्रीट के जंगलों यानी शहरों का विस्तारीकरण बड़े कारण हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद विज्ञान से उत्पादित औद्योगिकरण के विकास के साथ मनुष्य ने वायुमंडल के प्रक्रियागत प्रभाव में बदलाव लाना शुरू किया है, जिसके फलस्वरूप पृथ्वी में भूमंडलीय ऊष्मा का विस्तार ओजोन परत का क्षरण, असामयिक बाढ़,अकाल का आना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में वृद्धि से हरित गृह प्रभाव की घटना प्रभावित हुई है। ग्रीन हाउस इफेक्ट पृथ्वी की एक सामान्य प्रक्रिया है जिसके कारण पृथ्वी का निचला स्तर मंडल गर्म बना रहता है. तथा जीवन के अनुरूप वायुमंडल में वातावरण जीवन उपयोगी तथा जीवन के अनुकूल बना रहता है। किंतु ग्रीन हाउस इफेक्ट में बदलाव आने के साथ ही मनुष्य के सामने जलवायु परिवर्तन की बड़ी समस्या सामने आई है। इस तरह के परिवर्तन से ही पृथ्वी की परत को हमें बचाना होगा जिससे हम अति उष्णता, गर्म जलवायु और कम उत्पादन की विभीषिका से मानव को बचा सकते हैं। विश्व में विकासशील देश दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं, पहली भुखमरी यानी कि गरीबी दूसरी जलवायु में तीव्र परिवर्तन और यह दोनों एक दूसरे से गहरे संबंधित हैं। विकासशील तथा गरीब राष्ट्र एक और गरीबी तथा भुखमरी से लड़ाई लड़ रहे हैं एवं गरीबी से छुटकारा पाकर गरिमामय जीवन जीना चाहते हैं इसके लिए वे अपने प्राकृतिक, वैज्ञानिक संसाधनों का दोहन करके विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं जिससे इनके सम्मुख कई चुनौतियां उत्पन्न हो जाती है। इनके पास पर्याप्त रूप से आर्थिक वित्तीय पूंजी की कमी साथ ही उन्नत तकनीक का अभाव भी है। ऐसे में यह विकासशील राष्ट्र के विकास हेतु परंपरागत विकास साधनों पर आश्रित हो जाते हैं, जैसे विद्युत उत्पादन के लिए कोयले का उपयोग करना, वाहनों में प्रयुक्त ईंधन की गुणवत्ता का निम्न होना, कारखानों की पुरानी मशीनों द्वारा कार्बन, सल्फर, नाइट्रोजन आदि तत्वों की बड़ी मात्रा में वायु को उत्सर्जित करना आदि आते हैं। इन सब के कारण ग्रीन हाउस गैसें निर्मित होने से ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन घटनाओं को तीव्रता प्राप्त होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापक्रम जैसे कारकों में बहुत तेजी से परिवर्तन होता आया है। इसके पश्चात वर्षा की अनिश्चितता तथा अनियमितता में वृद्धि हुई है साथ ही बाढ़ सूखा अकाल सुनामी हिमस्खलन भूस्खलन जैसी प्राकृत आपदाओं का कई देश हर वर्ष सामना करते आ रहे हैं। उनके सम्मुख बड़ी विकट स्थिति उत्पन्न होती आई है, और यही प्राकृतिक आपदाएं उन देशों को फिर से गरीबी के दलदल में ढकेल देती है जहां भुखमरी का बोलबाला होता है। विश्व में कुछ देश ऐसे हैं जिनमें जिंबाब्वे, सीरिया,लीबिया, सोमालिया तथा अधिकांश अफ्रीकी देश, दक्षिण एशियाई लैटिन अमेरिकी देशों में भोजन,रोटी के लिए लंबी-लंबी लाइन लगती देखी गई है। दूसरी तरफ विकसित और अमीर देशों में भी लाइन लगती है, लेकिन वहां पर विडंबना यह है कि यह लाइन रोटी के लिए नहीं बल्कि आईफोन, स्मार्टफोनऔर गैजट्स के लिए लगाई जाती है। अनेक गरीब देशों में सबसे बड़ा संकट विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण

के मुद्दे को लेकर सामने आया है। जहां यह देश विकास की इच्छा तो रखते हैं पर दूसरी और विकसित देश गरीब देशों को पर्यावरण संरक्षण की सीख दे कर इनके संसाधनों पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। जिससे इनके अस्तित्व तथा संप्रभुता पर गहरी चोट लगती है। यह एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आता है। विकासशील देशों को पर्यावरण संरक्षण जैसी बातें गरीबी के सामने एक चुनौती के रूप में दिखाई देती है। यदि ये देश भुखमरी, गरीबी, कुपोषण, बेरोजगारी जैसे समस्याएं को सुलझाना चाहते हैं तो दूसरी तरफ पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलन बिठाना कठिन हो जाता है। आज विकसित देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अन्य अमीर यूरोपीय देश पर्यावरण संतुलन की बात तो करते हैं पर जहां तकनीकी मदद या संरक्षण की बात को तो यह अपना हाथ पीछे खींचने में भी नहीं चुकते हैं। गरीब तथा विकासशील देश जब भी विकास को प्राथमिकता देने का प्रयास करते हैं तो इसके परिणाम स्वरूप पर्यावरण को क्षति होना लाजमी होता है। इसके अलावा इन्हें वैश्विक महाशक्तियों के दबाव भी झेलने पड़ते हैं।

## कुछ खास...

# डॉ. अंबेडकर की राजनीतिक विरासत और इसकी वर्तमान में प्रासंगिकता

**एस आर दारापुरी**

डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर, जिन्हें अक्सर बाबासाहेब के नाम से जाना जाता है, ने एक

न्यायविद, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ के रूप में अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के माध्यम से भारत के राजनीतिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी। उनकी राजनीतिक विरासत सामाजिक भेदभाव के खिलाफ उनकी अथक लड़ाई, भारत के संविधान को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेष रूप से दलितों (जिन्हें पहले अछूत के रूप में जाना जाता था) के अधिकारों की वकालत में निहित है। यहाँ उनकी विरासत और समकालीन समय में इसकी प्रासंगिकता का अवलोकन दिया गया है। भारतीय संविधान के निमार्तारू प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में, अंबेडकर 1950 में अधिनियमित भारत के संविधान के प्रमुख निमार्ता थे। उन्होंने सुनिश्चित किया कि इसमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांत शामिल हों, जो वैश्विक लोकतांत्रिक आदर्शों से प्रेरित हैं और साथ ही भारत की अनूठी सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हैं। मौलिक अधिकारों, सकारात्मक कार्रवाई (अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण) और अस्पृश्यता के उन्मूलन (अनुच्छेद 17) को शामिल करने से न्यायपूर्ण समाज के बारे में उनकी दृष्टि प्रतिबिंबित हुई। सामाजिक न्याय के चैंपियनरू अंबेडकर की राजनीतिक विचारधारा जाति व्यवस्था को खत्म करने पर आधारित थी, जिसे वे समानता के लिए एक संरचनात्मक बाधा के रूप में देखते थे। उनका प्रसिद्ध उद्धरण, ष्मैं एक हिंदू के रूप में पैदा हुआ था, लेकिन मैं एक हिंदू के रूप में नहीं मरूंगा, हिंदू धर्म के भीतर जाति-आधारित उत्पीड़न की उनकी अस्वीकृति को रेखांकित करता है। उन्होंने 1956 में बौद्ध धर्म अपना लिया, जिससे लाखों दलितों को प्रेरित होकर उनका अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया, जिससे एक सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन बना जिसे नव-बौद्ध धर्म के रूप में जाना जाता है। हाशिए पर पड़े लोगों की वकालतरू अनुसूचित जाति संघ और उनके पहले के दलित वर्गों की पहल जैसे संगठनों के माध्यम से, अंबेडकर ने दलितों और अन्य उत्पीड़ित समूहों को राजनीतिक रूप से संगठित किया। उन्होंने उनके प्रतिनिधित्व, शिक्षा और आर्थिक उत्थान के लिए लड़ाई लड़ी, विशेष रूप से 1932 के पूना समझौते (जिसे बाद में आरक्षित सीटों में संशोधित किया गया) में दलितों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र सुरक्षित किया। आर्थिक और श्रम सुधारू भारत के पहले कानून मंत्री और एक प्रशिक्षित अर्थशास्त्री के रूप में, अंबेडकर ने सामाजिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक समानता पर भी जोर दिया। उन्होंने आठ घंटे के कार्यदिवस सहित श्रम कानूनों में योगदान दिया और असमानता को कम करने के लिए भूमि सुधार और राज्य के नेतृत्व वाले औद्योगीकरण की वकालत की। प्रतिरोध का प्रतीकरू महात्मा गांधी के साथ उनकी बहस, विशेष रूप से अलग निर्वाचन क्षेत्रों पर, दलित स्वायत्तता पर उनके अडिग रुख को उजागर करती है। जबकि गांधी ने अस्पृश्यता को हिंदू धर्म के भीतर सुधार की नैतिक विफलता के रूप में देखा, अंबेडकर ने इसे एक प्रणालीगत मुद्दे के रूप में देखा जिसके लिए कट्टरपंथी राजनीतिक समाधान की आवश्यकता थी। और भीड़ में कोई धर्म नहीं रह जाता है।

# Gallery of SI News Awards & OTT Launch Ceremony

## रैंप शो में मॉडल को हटाने पर हुई ट्रोलिंग पर नुसरत भरूचा ने तोड़ी चुप्पी, कहा- उसे रैंप वॉक के नियम नहीं पता थे

जनहित में जारी, छोरी और अकेली जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं नुसरत भरूचा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म छोरी 2 को लेकर खूब चर्चा में हैं। वहीं, हाल ही में नुसरत को एक रैंप शो के दौरान एक लड़की को साइड करने पर ट्रोल किया गया था। इस पर कई दिनों बाद अब एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और सफाई पेश की है। नुसरत भरूचा ने कहा, हर कोई मेरे बारे में सही नहीं सोचेगा, और मैं सबको सफाई देती फिरूं, इतनी ऊर्जा नहीं है मेरे पास। नुसरत ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, रैंप वॉक का नियम होता है कि बीच का रास्ता खाली रखा जाए। वह लड़की स्टेज के सेंटर में खड़ी थी, जबकि उसे साइड में होना चाहिए था। वह माडल नहीं, एक डिजाइनर थी, और शायद उसे रैंप वॉक के नियम नहीं पता थे। मुझे बताया गया था कि शो स्टॉपर को सेंटर में आकर डिजाइनर को बुलाना होता है। बस मैंने वही किया। बता दें, नुसरत भरुचा की बहुप्रतीक्षित हॉरर-थ्रिलर छोरी 2 11 अप्रैल 2025 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी यह सीक्वल पहली फिल्म की तरह ही सस्पेंस और साइकोलॉजिकल हॉरर को और गहराई से दिखाने का प्रयास करती है।

## प्रभु देवा से तलाक के 14 साल बाद वाइफ रामलथ ने खुलकर की बात, कहा- उन्होंने एक भी शब्द नहीं कहा..

बॉलीवुड के फेमस कोरियोग्राफर प्रभु देवा अपने काम के साथ-साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। प्रभु देवा ने साल 1995 में रामलथ से शादी की थी, लेकिन महज 16 साल में ही उनका तलाक हो गया था। वहीं, अब तलाक के सालों बाद प्रभु की एक्स वाइफ ने पहली बार अपने रिश्ते पर खुलकर बात की है। एक इंटरव्यू में प्रभु देवा की एक्स वाइफ रामलथ ने तलाक के 14 साल बाद अलग होने को लेकर कहा, भले ही वे अलग हो गए हों, लेकिन प्रभु हमेशा उनके कॉन्टेक्ट में रहे हैं। खासकर जब बात उनके बच्चों को सपोर्ट करने की होती है। उन्होंने एक पिता के रूप में अपनी जिम्मेदारी बहुत अच्छे से निभाई है। प्रभु देवा के साथ अपने मौजूदा रिश्ते के बारे में रामलथ ने कहा कि उनके अलग होने के बाद भी उन्होंने हमेशा एक-दूसरे के फैसले का सम्मान किया है और कभी भी उनके बारे में कुछ भी गलत नहीं कहा। रामलथ ने कहा, अगर हमारे तलाक के बाद उन्होंने मेरे बारे में कुछ भी बुरा कहा तो मैं उनसे नाराज हो जाऊंगी, लेकिन उन्होंने मेरे बारे में एक भी शब्द नहीं कहा। मैं ऐसे किसी के बारे में कुछ भी बुरा नहीं कहूंगी। रामलथ ने अपने बेटे ऋषि राघवेंद्र देवा के डेब्यू के बारे में भी बात की, जहां उन्होंने अपने पिता प्रभु देवा के साथ स्पेस शेयर किया। उन्होंने कहा, एक मां के रूप में अपने बेटे को करियर में अच्छा करते देखना उनके लिए गर्व की बात है। प्रभु देवा के लिए हमारे बच्चे ही उनकी जिंदगी हैं। मेरा बेटा प्रभु के साथ बहुत अच्छी बॉन्ड शेयर करता है। बता दें, प्रभु देवा की रामलथ से पहली मुलाकात 1990 के दशक की शुरूआत में हुई थी जब वे तमिल सिनेमा में कोरियोग्राफी में अपना करियर बना रहे थे। रामलथ, एक शास्त्रीय नर्तकी थी, लेकिन रामलथ मुस्लिम थी और प्रभु देवा हिंदू, इसलिए दोनों के परिवार उनके रिश्ते के खिलाफ थे। हालांकि, रामलथ ने हिंदू धर्म अपना लिया और अपना नाम लता रख लिया था और फिर दोनों ने 1995 में शादी कर ली और 2011 में दोनों का तलाक हो गया। रामलथ से शादी टूटने के बाद प्रभु देवा के साउथ एक्ट्रेस नयनतारा के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की खबरें सामने आई थीं।

## प्रियंका चाहर ने अंकित गुप्ता के साथ ब्रेकअप की अफवाहों के बीच रिश्ते में आए बदलाव पर की बात

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चैधरी ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में नियारा इंडिया के लिए रैंप वॉक किया। इस इवेंट में वह बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखीं, उन्होंने एक शानदार ब्लैक ड्रेस पहनी थी। फैशन में हुए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने समाचार एजेंसी से कहा कि उनके अनुसार, चाहे रिश्तों की बात हो या फैशन की, विकास करना हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विकास करना हमेशा अच्छा होता है, बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। बदलाव के लिए आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए, निश्चित रूप से बदलाव अच्छी बात है, चाहे रिश्तों में बदलाव हो या फैशन में बदलाव हो। अभिनेता अंकित गुप्ता के साथ उनके ब्रेकअप की खबरों के बीच उनका यह बयान आया है। अटकलबाजी को और हवा देते हुए, अंकित ने हाल ही में शो तेरे हो जाएं हम से बाहर निकलने की घोषणा की। इस शो में वह मुख्य भूमिका में हैं। प्रियंका और अंकित पहली बार शो उड़ारियां में साथ नजर आए थे और प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे। बाद में ये दोनों लोकप्रिय रियलिटी शो श्बिग बॉस 16श में एक साथ दिखाई दिए, जहां वह अभूतपूर्व परिस्थितियों में एक-दूसरे का समर्थन करते नजर आए। शो से बाहर निकलने के बाद, उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। इंस्टाग्राम पर प्रियंका और अंकित द्वारा एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद उनके ब्रेकअप की अटकलें शुरू हो गईं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए प्रियंका ने बातचीत में अंकित के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बताया था, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे थे। प्रियंका ने कहा था, मुझे लगता है कि हम बहुत सच्चे हैं। मुझे लगता है कि यही एक खासियत है, जिसकी वजह से हम एक-दूसरे से जुड़े हैं। हम बहुत सामान्य हैं। हमें दिखावा करना नहीं आता, शायद यही बात हमें जोड़े रखती है। प्रियंका ने कहा, हम दोनों में कोई सेलिब्रिटी वाइब नहीं है, हम दोनों में ऐसा नहीं है कि हम बहुत सामान्य हैं और यही हमें जोड़े रखता है। यही कुछ ऐसा है जो हमें उन लोगों से जोड़े रखता है जो हमसे प्यार करते हैं।

## न भूला गया, न माफ किया गया..

### जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी पर अक्षय कुमार का पोस्ट वायरल

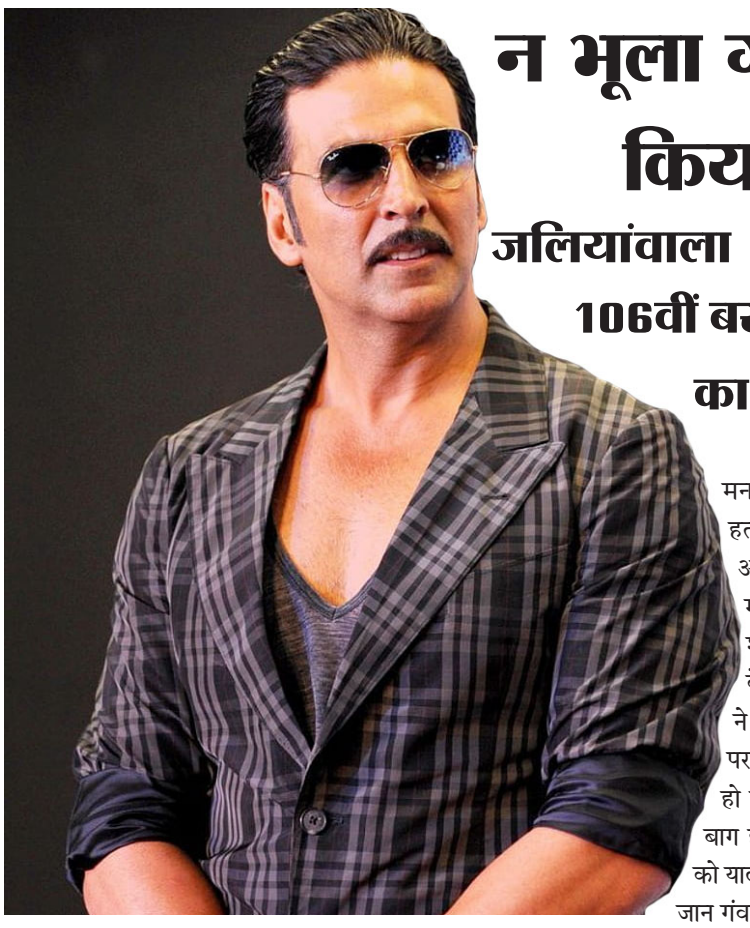

आज 13 अप्रैल देश में बैसाखी का त्योहार मनाया जा रहा है और जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी है। इस मौके पर आम लोगों से लेकर सेलिब्रेटीज तक सोशल मीडिया पर बैसाखी की शुभकामनाएं देते शहीदों को याद करते नजर आ रहे हैं। वहीं, केसरी 2 फिल्म ला रहे एक्टर अक्षय कुमार ने भी जलियांवाला बाग हत्याकांड की बरसी पर खास पोस्ट शेयर की है, जो खूब वायरल हो रही हैं। अक्षय कुमार ने आज जलियांवाला बाग हत्याकांड की 106वीं बरसी पर उन शहीदों को याद किया, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपनी जान गंवाई। इस मौके पर एक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- न भूला गया, न माफ किया गया। अक्षय कुमार की यह पोस्ट जलियांवाला बाग की उस दुखद घटना को लेकर है, जब 13 अप्रैल 1919 को वैशाखी के दिन शांतिपूर्ण सभा में शामिल लोग ब्रिटिश सेना की क्रूरता का शिकार बने। इसमें सैकड़ों निर्दोष लोग मारे गए और हजारों घायल हुए। वहीं, अक्षय कुमार के काम की बात करें तो वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म केसरी चैप्टर 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके सताथ आर माधवन और अनन्या पांडे की भी अहम भूमिका है। फिल्म केसरी चैप्टर 2 वकील और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सी. शंकरन नायर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के पीछे की सच्चाई के लिए लड़ाई लड़ी थी। करण सिंह त्यागी द्वारा निर्देशित फिल्म केसरी चैप्टर 2, 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# भाजपा सरकार देश को कर रही मजबूत तो वहीं सपा बसपा काग्रेस ने सिर्फ परिवार को किया मजबूत शीतल पाण्डेय

भाजपा स्थापना दिवस अभियान के उपलक्ष्य में गाँव चलो अभियान के क्रम में सहजनवा विधानसभा के नगर पंचायत उनवल के वार्ड नंबर 3 टेकवार में पूर्व विधायक शीतल पाण्डेय पहुचें। सर्व प्रथम टेकवार स्थिति झारखंडेश्वर मन्दिर की साफ सफाई की एवं मन्दिर परिसर में ही आयोजित चौपाल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि लाखों कार्यकताओं की तपस्या का परिणाम है हम विश्व की सबसे बड़ी पार्टी हैं। बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के तपस्वी कार्यकताओं की भरमार है। पार्टी का मिशन देश को आगे बढ़ाने के लिये है, सपा बसपा कांग्रेस जैसी पार्टी नही जो सिर्फ परिवार के विकास को लेकर काम करती हैं। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की संघर्ष जीवनी पर चर्चा करते हुए कहा अन्त्योदय लक्ष्य को भाजपा सरकार साकार कर रही है। उन्होंने कहा आज का बूथ अध्यक्ष कल का जिलाध्यक्ष है राष्ट्रीय अध्यक्ष बनता है विधायक सांसद बनता है। आज कानून का शासन स्थापित हुआ है, विधायक ने कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा सभी को बिना भेदभाव हर घर तक पहुंचना है साथ बैठना है सरकार के विकास परक योजनाओं की चर्चा करनी है। उन्होंने कहा भाजपा के हर कार्यकर्ता को शेर की तरह निडर होकर वंदे मातरम और राष्ट्रप्रथम के भाव से कार्य करना है। उन्होंने घर-घर भ्रमण कर विकास कार्यों जानकारी

ली भाजपा मण्डल अध्यक्ष इन्द्र कुमार निगम ने स्वागत करते हुए कहा कि 06 से 12 अप्रैल तक पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है जिसके क्रम में ग्राम चौपाल के माध्यम से सरकार उपलब्धियों की चर्चा कर आमजन की राय को जानने का काम किया जायेगा। एवं 13 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती की पूर्व संध्या पर अंबेडकर जी की प्रतिमा की साफ सफाई कराकर दीप प्रज्वलित का कार्य करना है एवं 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरण करना है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष इंद्र कुमार निगम,वरिष्ठ नेता संतोष राम त्रिपाठी, हरिशंकर सिंह, बूथ अध्यक्ष मनीष त्रिपाठी, दिगम्बर पाण्डेय, मंडल महामंत्री योगेश वर्मा, जोगिंदर साहनी, पवन कुमार निगम, प्रदीप सिंह, रमेश पासवान व्यास सिंह, सतीश कुमार, दिलीप कुमार, सभासद, अरविन्द कुमार, राहुल त्रिपाठी, सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे अन्य मौजूद रहे।

# नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने एन. एस. क्रिकेट एकेडमी को चार विकेट से दि शिकस्त

गोरखपुर। मण्डल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर - 14 क्रिकेट टूनार्मेंट का तीसरा मैच ( ग्रुप - ए ) से नीना थापा क्रिकेट एकेडमी और एन. एस. क्रिकेट एकेडमी के बीच सेंट एंड्रयूज डिग्री कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर खेला गया। जिसमें नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। एन एस क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 30 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 138 रनों का स्कोर बनाया। जिसमें रवि प्रजापति ने 35 रन, आदर्श विश्वकर्मा ने 25 रन, वाशु यादव ने 24 रन और आदित्य पाण्डेय ने 20 रनों का योगदान दिया। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी की तरफ से गेंदबाजी करते हुए लेग स्पिनर अमन यादव ने तीन विकेट, केशव सिंह ने तीन विकेट, आदित्य कुमार और अदब्य यादव ने एक - एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने 27.1 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 140 रन बनाकर चार विकेट से मैच जीत लिया। इस में गोलू गुप्ता ने नाबाद 23 रन, ऋषभ शर्मा ने 21 रन, आदित्य कुमार ने 18 रन, आयुष शर्मा ने 18 रन और कप्तान अर्णव निषाद ने 10 रनों का योगदान दिया। एन. एस. क्रिकेट एकेडमी कि तरफ से गेंदबाजी करते हुए आयुष वर्मा ने दो विकेट, शिवांश नायक,भुवन,रवि प्रजापति ने एक - एक विकेट लिया। नीना थापा क्रिकेट एकेडमी ने चार विकेट से मैच जीत लिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच का ट्रॉफी अमन यादव को शानदार गेंदबाजी के लिए दिया गया।

# भारतीय जनता पार्टी उनवल मण्डल द्वारा धूमधाम से मनाया गया भीमराव अंबेडकर जयंती

आज 14 अप्रैल भारतीय जनता पार्टी उनवल मण्डल द्वारा महान संविधान शिल्पी और करोड़ों देशवासियों के आत्मगौरव के प्रतीक बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी को उनकी जन्म जयंती पर

टेकवार चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर मंडल अध्यक्ष इंद्र कुमार निगम, नगर पंचायत प्रतिनिधि उमेश कुमार दुबे एवं पूर्व चेयरमैन उमाशंकर निषाद द्वारा माल्यार्पण कर कोटि-कोटि नमन किया गया। शिक्षा, समानता और न्याय के बल पर सामाजिक क्रांति की नींव रखने वाले बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी आजीवन वंचितों के अधिकारों के लिए कटिबद्ध रहे। समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित संविधान की रचना कर उन्होंने भारत की महान लोकतांत्रिक विरासत को सुदृढ़ आधार प्रदान किया। न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज निर्माण की दिशा में बाबासाहेब के विचार आज भी हम सभी को प्रेरणा प्रदान करते हैं। आज के इस शुभ अवसर पर मंडल अध्यक्ष इंद्र कुमार निगम पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर निषाद चेयरमैन प्रतिनिधि उमेश कुमार दुबे, वरिष्ठ नेता संतोष राम त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद कुमार पांडे, सुधीर चंद बेलदार, मंडल महामंत्री योगेश वर्मा, योगेंद्र साहनी, प्रदीप सिंह, गुलाब सिंह, विजय कुमार मौर्य राजन तिवारी, दिलीप कुमार, सतीश कुमार, सभासद सर्वेश कुमार अरविंद कुमार, दिनेश शर्मा , राजन पासवान, प्रभुनाथ यादव, मणिंद्र माधव त्रिपाठी, गब्बर तिवारी, संदीप तिवारी, विनय तिवारी, पंकज निगम, चंद्रभान गुप्ता, राहुल गुप्ता, सहित सैकड़ो की संख्या में अंबेडकर भक्त उपस्थित रहे।

# एक सप्ताह पहले इलाहीबाग में लगाए थे फिलिस्तीन के समर्थन में नारे

**संवाददाता**

गोरखपुर। इस्राइल का साथ देने वाली कंपनियों के नाम का बैनर लगाकर बहिष्कार करने की कर रहे थे अपीलगोरखपुर। तिवारीपुर थाने के सूर्य विहार में एक धार्मिक स्थल के पास खुद को नौजवान भारत सभा व दिशा नामक छात्र संगठन का सदस्य बताकर फिलिस्तीन के विरोध में चार युवकों ने नारेबाजी व सभा की थी। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि एक सप्ताह पहले इन युवकों ने ही इलाहीबाग में बैनर व पोस्टर के माध्यम से फिलिस्तीन के समर्थन में नारे लगाए थे।पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार दोपहर में आरोपी चारों युवक सूर्य विहार पहुंचे थे और फिलिस्तीन का समर्थन करते हुए इस्राइल के विरोध में नारेबाजी की थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में मौजूद किशोरों व युवकों को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह किसी धार्मिक स्थल से निकल कर वहां पहुंचे हो। इसी बीच किसी ने तिवारीपुर थाने की पुलिस को सूचना दी।

## फेसबुक पर लाइव होकर युवक ने जहर खाकर दी जान

# 'मम्मी-पापा मुझे माफ करना, मैं अब आगे और नहीं...'

**संवाददाता**

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर स्थित कैंपियरगंज इलाके में शनिवार को एक 19 वर्षीय युवक ने फेसबुक पर लाइव होकर जहर खा लिया। अचेत अवस्था में परिजनों ने गोरखनाथ इलाके के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं हो रही हैं। कैंपियरगंज क्षेत्र के खजुरगांवा निवासी रमेश द्विवेदी के बेटे अंकुर द्विवेदी (19) ने जहर खाया है। ग्रामीणों ने बताया कि घर के पास स्थित अलेनाबाद बाग से अंकुर अपराह्न करीब तीन बजे फेसबुक पर लाइव हुआ। इस दौरान उसके पास तीन पन्ने का सुसाइड नोट भी था। नोट पढ़कर वह बोल रहा था कि मम्मी-पापा मुझे माफ करना, मैं अब आगे और नहीं चल पाउंगा, मेरा जीवन बस इतना ही था। इसी तरह उसने सभी रिश्तेदारों पटीदारों का नाम लेकर उनसे माफी मांगी। इसी बीच उसने अपने जेब से सल्फास की गोलियों से

भरा डब्बा निकाला। एक-एक करके पांच गोलियां उसने खा लिया। आखिरी में उसने बोला कि मैं अपनी स्वेच्छा से जहर खा रहा हूं, इसमे मेरे परिवार के किसी सदस्य का कोई दोष नहीं है। मेरी मौत के बाद उन्हें कतई ना परेशान किया जाए। फेसबुक पर यह सब देख कई लोगों ने कमेंट के माध्यम से उसे रोकने की कोशिश की। कुछ लोगों ने कॉल कर रोकना चाहा। इसी बीच किसी ने परिजनों को सूचना दी। घर के पास की बाग में जाकर परिजन देखे तो वहां अंकुर अचेत अवस्था में गिरा पड़ा था। एंबुलेंस से उसे शहर के एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान देर शाम उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि अंकुर जिद्दी प्रवृत्ति का था। छोटी-छोटी बात पर वह नाराज हो जाता था। घर पर किसी ने डांटा है, इसके बाद उसने खुदकुशी की है। वहीं कैंपियरगंज पुलिस का कहना है कि किसी के माध्यम से सूचना मिली है। जांच पड़ताल की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि रमेश द्विवेदी गिट्टी बालू की सप्लाई करते हैं। नौ अप्रैल को उनके नए घर गृह प्रवेश था। उसी दिन अंकुर का जनेऊ संस्कार भी था। इस दौरान घर पर रिश्तेदार पटीदार के साथ ही काफी भीड़ उमड़ी थी। रमेश द्विवेदी के दो बेटे थे, इसमे अंकुर बड़ा था। पिता रमेश ने बताया कि अभी कुछ ही दिन पूर्व धूमधाम से बेटे का जनेऊ किया, अचानक ये क्या हो गया।

## जमीनी विवाद में दोस्त बना कातिल

# तड़पा-तड़पा कर ली थी जान- शव को बोरे में भरकर फेंका था

**संवाददाता**

गोरखपुर। उस्का खुर्द गांव के आगे जाते समय अमन के ई रिक्शा को रोकवाया तथा उसे आगे के गांव पहुंचाने के लिए कहा। वहां जाते हुए रास्ते में उसने पेशाब करने का बहाना बनाकर गाड़ी रोकवाया। इस दौरान अमन भी उतरकर पेशाब करने लगा। तब तक रोहित बाइक से आ गया। उसने पीछे से अमन के सिर पर चौकोर राड से प्रहार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के बैरमपुर निवासी ई रिक्शा चालक अमन की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो हत्यारों को गिरफ्तार किया है। यह हत्या ई रिक्शा चालक के विपक्षी रवि तथा उसके दोस्त ने मिलकर की थी। यह दोनों हत्यारे ई रिक्शा चलाते थे। बैरमपुर गांव का निवासी ई रिक्शा चालक अमन संदिग्ध परिस्थितियों में 10 फरवरी

को गायब हो गया था। उसका ई रिक्शा 11 फरवरी को महुली थानाक्षेत्र के गोड़ही के पास लावारिश अवस्था में मिला था।मामले में 11 फरवरी को पुलिस ने गुमशुदगी तथा 17 फरवरी को गांव के ही निवासी विपक्षी ओम प्रकाश, जय प्रकाश, श्याम व रोहित उर्फ रवि पुत्रगण स्व बसंतलाल के उपर अपहरण का केस दर्ज किया था। इसके बाद 23 मार्च को महुली थानाक्षेत्र के तामा खास पुलिया के पास सरयू नहर में बोरे में रखा एक शव बरामद किया गया। शव के दो टुकड़े हो गए थे।परिजनों ने कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान ई रिक्शा चालक अमन के रुप में की थी। चूंकि शव पूरी तरह से सड़ गल चुका था। इसलिए पुलिस ने शव की पहचान के लिए परिजनों के साथ लाश का डीएनए सैम्पल मैच कराने के लिए भेजा। वहीं, इस मामले की छानबीन में भी जुटी रही।पुलिस ने विपक्षियों से पांच चक्रों में पूछताछ की। इस दौरान पुलिस ने विपक्षी रोहित उर्फ रवि से भी पूछताछ की। रोहित ने बताया कि वह ई रिक्शा चलाता है। इसी दौरान सर्विलांस के जरिए रोहित के एक मित्र हरिकेश सिंह उर्फ मान सिंह, निवासी कटाई, थाना कोतवाली का भी नाम प्रकाश में आया।

# Journalism's legend Murtaza Hussain Rahmani got "Legend of Gorakhpur" award

## Journalist Sanjay Kumar Srivastava got "Mark of Excellence" and senior social worker Muhammad Raza Laddan Khan got "Social Excellence" award

In the 'Ek Shaam Bhaichargi Ke Naam' kavi sammelan and mushaira organised in Eid Milan Samaroh, poet Arun Srivastava "Shams Gorakhpuri" said - 'Both are the doors of one God, what is Kaaba and what is Kashi'""Gorakhpur. Under the aegis of Vishwa Shanti Mission and Jamiatul Mansoor Seva Sansthan, a kavi sammelan and mushaira dedicated to mutual brotherhood and harmony was organised at Mehfil Marriage House in Ilahibagh. On this occasion, senior journalist Murtaza Hussain Rahmani, the legend of journalism, was honoured with the Legend of Gorakhpur, journalist Sanjay Kumar Srivastava was honoured with the Mark of Excellence and senior social worker Muhammad Raza Laddan Khan was honoured with a memento, a certificate and a shawl for his work in the field of social work. On this occasion, Murtaza Hussain Rahmani shared his inspirational thoughts with the people.""In the Eid Milan Samaroh, the sweetness of Eid and the celebration of brotherhood were witnessed in a special way in one evening. In the programme, an attempt was made to give the message of peace and mutual brotherhood in the country through Mushaira and Kavi Sammelan. On this occasion, famous journalist Murtaza Hussain Rahmani was honoured with the "Legend of Gorakhpur" and strong signature of journalism Sanjay Kumar Srivastava was honoured with the "Mark of Excellence Award" for distinguished journalism. The Kavi Sammelan and Mushaira organised on this occasion was presided over by senior poet Ramsamujh Sanwara and conducted by senior poet Ram Sudhar Singh Sainthwar. First of all, after senior poetess Premlata Rasbindu recited Saraswati Vandana and Sumbul Hashmi recited Naate Pak, Krishna Kumar Srivastav

Krishna, Lakshmi Narayan Rahi, Badrinath Vishwakarma Sanwariya, Arvind Akela, Ram Sudhar Singh Sainthwar, Kaushal Upadhyay, Aziz Gorakhpuri, Ravi Shankar Pandey Advocate, Dinesh Gorakhpuri, Kausar Gorakhpuri, Taufiq Sahir Ludhiana Wale, Mahmudul Haque, Imran and Nitish Srivastav mesmerized the audience with their compositions. Chief guest Arun Kumar Srivastava Shams Gorakhpuri, while speaking on the religious animosity currently spreading in the country, said that "Both are the doors of the same God, be it Kaaba or Kashi, they are beyond the limits of fanaticism, be it Kaaba or Kashi, which Arun comes in the name of Sheikh Brahman now, both are packers of love, be it Kaaba or Kashi," special guest Qamaruzzama Ansari, while emphasizing on increasing mutual brotherhood in the country, said that today such events are needed which increase mutual love and brotherhood. Senior journalist Sanjay Kumar Srivastava, awarded with "Mark of Excellence", said that the whole country is burning in the fire of religious frenzy and mutual hatred, in such a situation such events are greatly needed. Murtaza Hussain Rahmani, awarded with "Legend of Gorakhpur Samman", said that the initiative of Vishwa Shanti Mission and Jamiatul Mansoor Seva Sansthan to strengthen the bond of unity and brotherhood is commendable. He said that through Holi and Eid Milan Samaroh, a strong message of mutual brotherhood will be sent to the society."On this occasion, Secretary of Seva Sansthan, Haji Maqbool Ahmed Mansoori said that we will try to expose the faces of those who spread religious frenzy in the country. In the end, Chief Guest Arun Kumar Srivastava, President of Vishwa Shanti Mission Shams Gorakhpuri expressed his gratitude to all the visitors and stressed on spreading the message of mutual brotherhood in the entire country."On this occasion, a large number of people including Haji Khurshid Alam, Mahmood Ansari, Muhammad Yunus Ansari were present.

# Telangana becomes first state to implement SC sub-categorisation: 'Proud to have made history'

Hyderabad | Telangana's Congress government Monday issued a gazette notification that formally implemented Scheduled Caste sub-categorisation, popularly called reservation within reservation. According to the notification, Scheduled Castes in the state will be divided into three categories – Group I, II and III. The Gazette notification, which implemented the Scheduled Castes (Rationalisation of Reservation) Act, 2025, shows that Group I will get 1 percent reservation within the 15 percent quota for SCs; Group II will get 9 percent reservation; and Group III will get 5 percent reservation. Group I consists of 15 socio-economically backward castes, Group II has 18 and Group III has 26 such castes. With this, Telangana becomes first state to implement SC sub-categorisation. This comes months after a seven-judge Constitution Bench allowed further sub-classification of SCs and STs to ensure grant of quota to more backward castes inside these groups. According to the Gazette notification, the Act received the governor's assent on April 8. "The said assent is hereby published on April 14, 2025 in the Telangana Gazette for general information," the gazette read. "From this moment (of the issue of the gazette) SC categorisation will be implemented in Telangana in employment and education. We have issued a Gazette and government order to this effect. The first copy of the gazette was given the Chief Minister A Revanth Reddy," Telangana Minister Uttam Kumar Reddy, who was in-charge of overseeing the Cabinet sub-committee on SC sub-categorisation, said, adding: "If the population of SCs go up in the 2026 census,

we will give reservation as per their population". Chief Minister A Revanth Reddy wrote on X, "Telangana is the first state in India to implement the revolutionary decision of SC sub-categorisation. We are all proud to have made history. On the highly auspicious day of the birth anniversary of Bharat Ratna Babasaheb Dr B R Ambedkar, the Telangana state government paid the best tribute by bringing into force a great act of social justice, addressing a long overdue demand for classification of SC sub-castes. He further said: "Empowering and ensuring opportunities for all sections of Dalits, the state government issued a gazette notification, whose first copy was handed over to me today by the committee that undertook the historic work". The SC sub-categorisation was considered to be a difficult task for the Congress government because of strong opposition from Malas, a sub-caste among SCs who have been opposes to such subdivision. The Madigas of Telangana, however, have been agitating for 30 years demanding sub-categorisation of SCs. On the day the Supreme court issued its judgment allowing sub-categorisaton of SCs and STs, Telangana Chief Min

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।